A–0169

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAKA (N)-101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त्त ज्ञान

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कर्मकाण्ड की आवश्यकता बताते हुए उसके मुख्य स्रोतों की विशेषता बताइए।

2. संध्या क्यों करनी चाहिए ? इसके महत्व बताते हुए विधि का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. पंच महायज्ञ किसे कहते हैं ? विशदतया वर्णन कीजिए।

4. श्रीमद् भागवत एवं किसी **एक** अन्य पुराण के वर्ण्य विषयों का निरूपण कीजिए।

5. भारतीय संस्कृति में अतिथि यज्ञ का महत्व बताइए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रातः कालीन किए जाने वाले नित्य अनुष्ठानों का क्रमपूर्वक निरूपण कीजिए।

2. महर्षि पतंजलि के मतानुसार चारों वेदों कि कितनी शाखाएँ हैं ? विभागशः निरूपित कीजिए।

3. कर्णवेध एवं चूडाकरण मुहूर्त को स्पष्ट कीजिए।

4. वास्तु एवं सूतिका स्नान का मुहूर्त ग्रन्थानुसार बताइए।

5. विवाह मुहूर्त का सोदाहरण निरूपण कीजिए।

6. गृहप्रवेश मुहूर्त की आवश्यकता बताते हुए साधन विधि स्पष्ट कीजिए।

7. यात्राशूल विचार का यथा ग्रन्थ निरूपण कीजिए।

8. शिवास कब-कब देखा जाता है ? साधनविधि का निरूपण कीजिए।

अथवा

नक्षत्रों के नाम राशि विभागानुसार दर्शाइए।

****